



महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित
ग्राहक तक्रार निवारण मंच
कोल्हापूर परिमंडळ, कोल्हापूर

सं.क्र.काअ/ग्रातनिमं/कोप/केस क्र. ५९ ते ७९/२०१८-१९/ ५०
आदेश

१३
दिनांक: ०९.०३.२०१९
१३/०३/२०१९

आदेश केस क्र. ५९ (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - श्री मदन दत्तोबा निमणकर
५६७/१४/१३ गट क्र. ४६५/१/४ संत मळा
इचलकरंजी ता. हातकणंगले जि. कोल्हापूर
विरुध्द

अर्जदार

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर
- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी
- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

पक्षकार

आदेश केस क्र. ६० (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - श्री मदगोंडा प्रकाश आदाप्पा
५६७/१४/१३ गट क्र. ४६५/१/४ संत मळा
इचलकरंजी ता. हातकणंगले जि. कोल्हापूर
विरुध्द

अर्जदार

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर
- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी
- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

पक्षकार

5/3/19



आदेश केस क्र. ६१ (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - श्री दिपक मदन निमणकर
५६७/१४/१३ गट क्र. ४६५/१/४ संत मळा
इचलकरंजी ता. हातकणंगले जि. कोल्हापूर

विरुध्द

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर
- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी
- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

अर्जदार

पक्षकार

आदेश केस क्र. ६२ (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - श्री तौफीक सिकंद गैबान
खंजीरे इंड. इस्टेट शहापूर
इचलकरंजी ता. हातकणंगले जि. कोल्हापूर

विरुध्द

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर
- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी
- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

अर्जदार

पक्षकार

आदेश केस क्र. ६३ (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - सौ. मिरा मदन निमणकर
५६७/१४/१३ गट क्र. ४६५/१/४ संत मळा
इचलकरंजी ता. हातकणंगले जि. कोल्हापूर

विरुध्द

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर

अर्जदार

पक्षकार

Handwritten signature



..३..

- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी
- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

आदेश केस क्र. ६४ (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - श्री जसेदादेवी लालाराम चौधरी
९०८ शहापूर इचलकरंजी ता. हातकणंगले जि. कोल्हापूर

अर्जदार

विरुध्द

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर
- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी
- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

पक्षकार

आदेश केस क्र. ६५ (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - श्री लालाराम आत्मराम चौधरी
९०८ शहापूर इचलकरंजी ता. हातकणंगले जि. कोल्हापूर

अर्जदार

विरुध्द

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर
- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी
- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

पक्षकार

आदेश केस क्र. ६६ (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - श्री नारायण गिरीमल्लाप्पा चंडिचाळ
घर क्र. १९/६५४ गट क्र. ४५४ बजाज इंड.जवळ
गुरुकन्नकनगर इचलकरंजी ता. हातकणंगले जि. कोल्हापूर

अर्जदार

Handwritten signature/initials



विरुध्द

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर
- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी
- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

आदेश केस क्र. ६७ (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - श्री फैयाज कुतुम गैबान
प्लॉट क्र.१७ खंजीरे इंड. इस्टेट शहापूर
इचलकरंजी जि. कोल्हापूर

अर्जदार

विरुध्द

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर
- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी
- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

आदेश केस क्र. ६८ (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - श्री जुहर तौफीक गैबान
प्लॉट क्र.१७ खंजीरे इंड. इस्टेट शहापूर
इचलकरंजी जि. कोल्हापूर

अर्जदार

विरुध्द

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर
- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी

Handwritten signature and number 53



- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

आदेश केस क्र. ६९ (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - श्री कुतुम इस्माईल गैबान
प्लॉट क्र.१७ खंजीरे इंड. इस्टेट शहापूर
इचलकरंजी जि. कोल्हापूर

अर्जदार

विरुध्द

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर
- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी
- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

पक्षकार

आदेश केस क्र. ७० (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - श्री अजित प्रकाश एकार निल टेक्स्टाईल
स्टेशन रोड इचलकरंजी जि. कोल्हापूर

अर्जदार

विरुध्द

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर
- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी
- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

पक्षकार

आदेश केस क्र. ७२ (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - सौ.नेहा अजित एकार निल टेक्स्टाईल
स्टेशन रोड इचलकरंजी जि. कोल्हापूर

अर्जदार

विरुध्द

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर

पक्षकार



5/3/2019

- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी
- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

आदेश केस क्र. ७३ (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - श्री पैमसिंह ईश्वरसिंह चव्हाण
घर क्र. २२/१३७ गणेशनगर इचलकरंजी जि. कोल्हापूर

अर्जदार

विरुध्द

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर
- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी
- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

पक्षकार

आदेश केस क्र. ७४ (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - श्री महेश प्रकाश एकार आर्य टेक्स्टाईल
स्टेशन रोड इचलकरंजी जि. कोल्हापूर

अर्जदार

विरुध्द

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर
- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी
- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

पक्षकार

आदेश केस क्र. ७५ (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - सौ. सुनिता महादेव कोरे
क्र.१३ घर क्र.११९२ गट क्र.४६१/१
गुरुकनन्नगर इचलकरंजी जि. कोल्हापूर

अर्जदार

(Handwritten signature)



विरुध्द

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर
- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी
- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

पक्षकार

आदेश केस क्र. ७६ (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - श्री दिलीप दिनकर घट्टे
रि.स.क्र.१२०२१ राजराजेश्वरीनगर
इचलकरंजी जि. कोल्हापूर

अर्जदार

विरुध्द

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर
- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी
- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

पक्षकार

आदेश केस क्र. ७७ (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - श्री अशोक दिनकर घट्टे
रि.स.क्र.१२०२१ राजराजेश्वरीनगर
इचलकरंजी जि. कोल्हापूर

अर्जदार

विरुध्द

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर
- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी

पक्षकार

Handwritten signature and date: 21/11/19



- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

आदेश केस क्र. ७८ (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - सौ. भारती दिलीप घट्टे
रि.स.क्र.१२०२१ राजराजेश्वरीनगर
इचलकरंजी जि. कोल्हापूर

विरुध्द

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर
- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी
- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

आदेश केस क्र. ७९ (२०१८-२०१९)

तक्रारदार - श्री दिग्विजय दिलीप घट्टे
रि.स.क्र.१२०२१ राजराजेश्वरीनगर
इचलकरंजी जि. कोल्हापूर

विरुध्द

- १) कार्यकारी अभियंता (का) तथा नोडल ऑफीसर,
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
मंडल कार्यालय, कोल्हापूर
- २) कार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
विभागीय कार्यालय इचलकरंजी
- ३) उपकार्यकारी अभियंता
महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित,
उप विभाग इचलकरंजी "ब "

कोरम:-१.श्री ए.व्ही. देशपांडे, अध्यक्ष
२.श्री. एन.के. ताडे, सदस्य सचिव,
३. श्री. पी. एस. पुजारी, ग्राहक सदस्य,

१३/२/१९



अर्जदार

पक्षकार

अर्जदार

पक्षकार

महाराष्ट्र राज्य विद्युत नियामक आयोग
(ग्राहक तक्रार निवारण मंच व विद्युत लोकपाल)
विनियम २००६ मधील ८.२ चे तरतुदीनुसार
एकत्रित आदेश (common Order)

मी ए.व्ही. देशपांडे अध्यक्ष, ग्राहक तक्रार.निवारण मंच. कोल्हापूर, खालीलप्रमाणे निर्णय देत आहे.

१.उपर निर्दिष्ट सर्व ग्राहक तक्रारी एकाच स्वरूपाच्या, असून त्यामध्ये कायद्यांचा एकच मुद्दा असून एकाच स्वरूपाच्या मागण्या केल्याने व उभय पक्षांद्वारे सर्व तक्रारीमध्ये एकाच प्रकारचा युक्तिवाद झाल्यामुळे ,हया एकत्रित आदेशाने , निर्णीत करण्यांत येत आहेत.

गा-हाण्याचे संक्षिप्त स्वरूप.

२. वर नमूद सर्व तक्रारदारानी , या आदेशास जोडलेल्या प्रपत्र(Schedule) मध्ये त्यांच्या त्याच्या नावासमोर लिहिलेल्या तारखाना त्यात नमूद केलेल्या रक्कमा ओआरसी चार्जेस पोटी जाबदार विज वितरण कंपनीकडे भरून स्वतंत्र विज पुरवठा आपआपल्या नावाने घेतलेला आहे. सदरचे प्रपत्र या आदेशाचा भाग समजण्यात यावा. विज वितरण कंपनीच्या CE/Dist/D-IV/MERC/२५०७९ दिनांक १२.१०.२०१७ व पुरवणी परिपत्रक क्रमांक CE/Dist/D-IV/MERC/०५०३९ दिनांक ०७.०३.२०१८ च्या परिपत्रका अन्वये महाराष्ट्र विज नियामक आयोगाच्या केस ८२/२००६ मधील दिनांक १७.०५.२००७ व दिनांक २१.०८.२००७ च्या आदेशा अन्वये ,२० जानेवारी , २००५ ते ३० एप्रिल २००७ या कालावधीत देण्यात आलेल्या विज जोडणी कामी ग्राहकाकडून वसूल करण्यात आलेल्या SLC, ORC चार्जेस व मीटर कॉस्टस, व्याजासह परत करण्याच्या सूचना निर्गमित करण्यात आल्या होत्या.त्यानुसार सोबत जोडलेल्या प्रपत्राकात नमूद करण्यात आलेल्या तारखाना, या सर्व ग्राहकानी, सदर रक्कमांच्या परत्याव्याकरिता आपआपले अर्ज दाखल केले असता, सदर प्रपत्रकातील शेवटच्या रकान्यात नमूद करण्यात आलेल्या तारखाना त्या त्या रकान्यात नमूद केलेल्या रक्कमा व्याजासह त्या रकान्यात नमूद केलेल्या तारखांच्या विज देयकातून समायोजन स्वरूपात, परतावा देण्यात आला. तक्रारदाराच्या कथनानुसार सदर रक्कमेत केवळ २ वर्षाकरिता, द.सा.द.शे. ६ टक्के व्याज दराने व्याजाच्या रक्कमेचा समावेश करण्यात आलेला आहे. तक्रारदाराच्या कथनानुसार त्यांना प्रत्यक्ष रक्कम भरलेल्या दिनांकापासून ते प्रत्यक्ष देय दिनांकापर्यन्त, द.सा.द.शे. १२ टक्के दराने व्याजाची आकारणी होणे जरूरी होते व आहे सबब त्या प्रमाणे व्याज देण्याचे आदेश व्हावेत व देय रक्कमेतून परतावा केलेली रक्कम वगळून उर्वरित देण्याचे किंवा पुढील विज बिलातून समायोजन होण्याचे आदेश व्हावेत अशी तक्रारदारांची एकत्रित मागणी या सर्व तक्रार अर्जांमध्ये आहे.

३. प्रस्तुत प्रकरणाची नोटीस बजावल्यानंतर वि.प. कंपनीने अतिरिक्त कार्यकारी अभियंता , उपविभाग इचलकरंजी ब यांचे मार्फत हजर होऊन आपले एकच स्वरूपांचे लेखी म्हणणे प्रत्येक प्रकरणांत दाखल केलेले आहेत. या सर्व प्रकरणांत विज वितरण कंपनीनेचे म्हणणे असे आहे की, सर्व ग्राहकांनी ORC रक्कमांच्या परताव्या मागणी केले वरून परिपत्रक क्रमांक मुअ/जि/मराविविक/०५०३९ दिनांक ०७.०३.२०१८ चे परिपत्रकानुसार द.सा.द.शे. ६ टक्के या विज दराने त्यांचे सदर प्रपत्रात नमूद केलेल्या तारखेच्या विज बिलातून ORC च्या रक्कमा व त्यावरील सदर दराने व्याजाची रक्कम असे विज बिलातून समायोजित करून परतावा देण्यात आलेला आहे ग्राहकांची ORC रक्कमावर द.सा.द.शे. १२ टक्के व्याज मिळावे केलेली मागणी वर नमूद केलेल्या परिपत्रकातून मध्येल्याने/सा-यकरिता येत नाही व तशी मागणी अंतर्गत तक्रार निवारण कक्ष,

5/31/2019



मंडल कार्यालय, कोल्हापूर यांनी फेटाळली असल्याने सदरची मागणी मंजूर करता येत नाही. त्यामुळे प्रस्तुत तक्रारी खारीज करण्यात याव्या.

४. प्रस्तुत सर्व प्रकरणांची एकत्रित सुनावणी आज रोजी घेण्यात आली. सुनावणी दरम्यान सर्व तक्रारदारांतर्फे त्यांचे प्रतिनिधी श्री मुकुंद माळी तर वि.प. कंपनी तर्फे श्री व्ही.टी. मोहिते, अतिरिक्त कार्यकारी अभियंता ब उपविभाग इचलकरंजी व श्री ए.आर. कबाडे, सहाय्यक अभियंता (गुणवंत्ता नियंत्रक) इचलकरंजी हे उपस्थित होते. त्यांनी आपआपल्या पक्ष कथनाप्रमाणे या मंचासमोर युक्तीवाद सादर केला.

५. उभय प्रकरणी आमच्या निष्कर्षाकरिता खालील मुद्दे उपस्थित होतात.

अ.क्र.	मुद्दे	निष्कर्ष
१	उभय तक्रारदारांच्या मागण्या मंजूर होण्यास पात्र आहेत काय?	अंशतः होय
२	अंतिम आदेश?	खालील प्रमाणे

६. आमच्या वरील निष्कर्षाची कारणे खालील प्रमाणे आहेत.

कारणमिमांसा

७. **मुद्दा क्रमांक १ व २ :-** प्रस्तुत सर्व प्रकरणांमध्ये तक्रारदारांनी विज पुरवठा घेतेवेळी सोबतच्या प्रपत्रात नमूद केलेल्या रक्कमा ORC चार्जेस, ORC सुपरव्हीजन चार्जेस, मीटर कॉस्ट चार्जेस इत्यादी वि.प. कंपनीकडे भरलेले आहेत ही बाब कंपनीने मान्य केलेली आहे. त्या रक्कमांबाबत विज कंपनीचा कोणताही उजर नाही. महाराष्ट्र राज्य विद्युत नियमाक आयोगाच्या ८२/२००६ मधील दिनांक १७.०५.२००७ व दिनांक २१.०८.२००७ या आदेशानुसार दिनांक २०.०१.२००५ ते दिनांक ३०.०४.२००७ या कालावधीत वसूल केलेल्या ORC चार्जेस सुपरव्हीजन चार्जेस, मीटर कॉस्ट इत्यादी रक्कमा व्याजासह परत कराव्यात असे आदेश आणि परिपत्रक झालेले आहेत व त्यानुसार या सर्व तक्रारदारांना त्यांनी भरलेल्या कलमातील रक्कमा व्याजासह परत मिळण्याचा अधिकार असेल तो परतावा व्याजासकट त्यांना विज बिलातून समायोजित करून देण्यात आलेला आहे ही बाब विज कंपनीने मान्य केलेली आहे. तथापि या सर्व प्रकरणांमध्ये वादा मुद्दा केवळ एवढाच आहे की, तक्रारदारांना सदर परतावा द.सा.द.शे.६ टक्के व्याज दराने व्याजासह मिळण्याचा अधिकार आहे किंवा त्यांना त्यांच्या मागणी प्रमाणे द.सा.द.शे. १२ टक्के दराने व्याज मिळण्याचा हक्क आहे आणि ते व्याज त्यांनी रक्कमा भरलेल्या तारखेपासून ते परतावा मिळण्याच्या तारखेपर्यन्त हक्क आहे किंवा नाही.

८. या ठिकाणी हे नमूद करणे आवश्यक आहे की, तक्रारदारांचे प्रतिनिधी श्री मुकुंद माळी यांनी पुरवणी परिपत्रक क्रमांक CE/Dist/D-IV/MERC/०५०३९ दिनांक ०७.०३.२०१८ मध्ये नमूद केलेल्या व्याज दराने व्याज देण्यात यावे व तक्रारदारांची द.सा.द.शे. १२ टक्के व्याजाची मागणी सोडून देत असल्याबद्दल या मंचासमोर प्रतिपादन केले. त्यानुसार तक्रारदारांची द.सा.द.शे. १२ व्याज दराने व्याजाच्या मागणीचा विचार करण्याची आवश्यकता नाही तक्रारदारांनी ही मागणी सोडून दिलेली आहे.

५/३/२१



९. तथापि तक्रारदारांची रक्कमांचा भरणा केलेल्या तारखेपासून व्याज देण्याची मागणी मंजूर करावी लागेल असा या मंचाचा निष्कर्ष आहे. वि.प. कंपनीतर्फे हजर असलेले उभय अभियंत्यानी वर नमूद केलेल्या पुरवणी परिपत्रकांत नमूद केलेल्या "The period of interest paid will be from 20.01.2005 to 30.04.2007 as per MERCs dt.17.05.2007 & dt.17.08.2007 , in case no.82 of 2006" या वाक्याचा आधार घेत, केवळ २०.०१.२००५ ते ३०.०४.२००७ या कालावधी करिताच तक्रारदारांना व्याज मागण्याचा अधिकार आहे म्हणून केवळ त्याच कालावधी करीता तक्रारदारांना व्याजाची आकारणी करून व्याज देण्यात आलेले आहे, असा युक्तीवाद केला. दुर्दैवाने, वर नमूद केलेल्या पुरवणी पत्रकांचा तौलनिक अभ्यास करता, तसेच मा. राज्य नियमाक आयोगाच्या वर नमूद केलेल्या प्रकरणांतील आदेशांचा अभ्यास करता, सदर परिपत्रकाला वि.प. कंपनी नमूद करते तसा अर्थ देता येऊ शकत नाही. कायद्यांच्या दृष्टीने देखिल वि.प. कंपनीने तर्फे करण्यात आलेले प्रतिपादन मान्य करता येत नाही. मा. विज नियमाक आयोगाने वर नमूद प्रकरणांत ORC चार्जेस सुपरव्हीजन चार्जेस किंवा मिटर कॉस्ट ही ग्राहकाकडून वसूल करता येत नाही आणि जर वसूल करण्यात आला असेल तर त्या रक्कमा व्याजासह ग्राहकांला परत कराव्यात, असा स्पष्ट आदेश पारित केलेला आहे. विज ग्राहकांला विज पुरवठा करण्याकरता आवश्यक त्या बाबी उभारण्याचे कर्तव्य विज वितरण कंपनीचे असून, केवळ DDF योजनेतील ग्राहक वगळता , इतर सर्व ग्राहकांनी केलेला खर्च त्यास परत मिळाव्यास पाहिजे हे कायद्यांचे सुत्र , मा. सर्वोच्च न्यायालयापर्यन्त मान्य झालेले आहे. याचा अर्थ प्रस्तुत प्रकरणांतील तक्रारदारांकडून देखिल ORC चार्जेस , मिटर कॉस्ट इत्यादी रक्कमाची वसूली बेकायदेशीररित्या करण्यात आलेली होती . त्यामुळे Interest - in - lieu of damages, या कायद्याच्या सुत्रानुसार ज्या ज्या तारखाना अशी बेकायदेशीर वसूली करण्यात आली, त्या त्या तारखेपासून तक्रारदारांना, त्या त्या रक्कमांवर व्याज मिळण्याचा कायदेशीर हक्क आहे आणि तो हक्क वर नमूद केलेली परिपत्रके काढून घेत नाहीत. वि.प. कंपनीच्या अधिका-यांनी सदर परिपत्रकांचा चूकीचा अर्थ लावून केवळ परिपत्रकात नमूद केलेल्या कालावधीकरिता व्याज देऊन तक्रारदारांवर अन्याय करून त्यांचे नुकसान केलेले आहे. तक्रारदारांना सोबतच्या प्रपत्रांत त्यांच्या त्यांच्या नावासमोर दर्शविलेल्या रकाना क्रमांक ३ मध्ये नमूद केलेल्या रक्कमांवर त्या त्या रकान्यातील तारखांपासून त्यांना, सदर प्रपत्रातील शेवटच्या रकान्यात दर्शविलेल्या समायोजनेच्या तारखेपर्यन्त द.सा.द.शे. ६ टक्के दराने व्याज मिळण्याचा हक्क आहे असा या मंचाचा निष्कर्ष आहे. तथापि वर नमूद केलेल्या कारणांमुळे तक्रारदारांना सदर रक्कमांवर द.सा.द.शे. १२ टक्के दराने व्याज देता येत नाही असा ही या मंचा निष्कर्ष आहे.सबब मुद्दा क्रमांक १ चे उत्तर आम्ही अशांत: होकारार्थी दिलेले आहे.

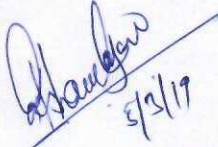
१० वर नमूद केलेल्या निष्कर्षानुसार हे सर्व तक्रार अर्ज अशांत: मंजूर करावे लागतील असा या मंचाचा निष्कर्ष असून त्या योग्य आम्ही खालील आदेश पारित करित आहोत.



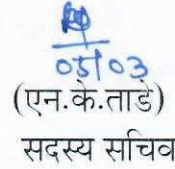
Handwritten signature and date: 5/12/19

आदेश

- १) तक्रार अर्ज क्रमांक ५९ ते ७०/२०१८-१९ व ७२ ते ७९/२०१८-१९ या अशांत: मंजूर करण्यात येत आहेत.
 - २) सोबतच्या प्रपत्रातील रकाना क्रमांक ३ मधील सर्व तक्रारदारांच्या नावासमोर नमूद केलेल्या रक्कमांवर , त्या रकान्यात नमूद केलेल्या नमूद केलेल्या तारखांपासून शेवटचा रकाना क्रमांक ५ मध्ये नमूद केलेल्या व परतावा दिलेल्या विज बिलाच्या देयकाच्या तारखेपर्यन्त, द.सा.द.शे. ६ टक्के दराने व्याजाची आकारणी करुन, प्रत्येक ग्राहकांस परतावा केलेल्या रक्कमा सोडून उर्वरीत रक्कमा त्या त्या तक्रारदारांस , या आदेशाचे तारखेपासून १ महिन्यांत, रोखीने किंवा पुढील महिन्याच्या विज बिलातून समायोजित करुन परतावा करण्यात यावा व तसा अहवाल या मंचास सादर करावा, असा आदेश पारित करण्यात येतो.
 - ३) या आदेशांची मूळ प्रत तक्रार अर्ज क्रमांक ५९/२०१८-१९ मध्ये ठेवून, त्यांच्या साक्षांकीत प्रती इतर प्रकरणांत ठेवण्यात याव्या.
 - ४) सदर आदेशाची अंमलबजावणी केल्याचे महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग (ग्राहक तक्रार निवारण मंच व विद्युत लोकपाल) विनियम २००६ ८.७ नुसार वि.प. यांनी मंचास कळवावे.
 - ५) या निर्णयाविरुद्ध तक्रारदार यांना अपील करावयाचे असलेस त्यांना आदेशाच्या तारखेपासून ६० दिवसांचे आंत मा. विद्युत लोकपाल, केशवा. बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व) मुंबई यांजकडे करता येईल
- एकमताच्या / बहुमताच्या आदेशाची अंमलबजावणी करण्यात यावी.



(पी.एस. पुजारी)
ग्राहक सदस्य



(एन.के.तार्ड)
सदस्य सचिव



(ए.व्ही. देशपांडे)
अध्यक्ष



Case No. 59 to 70 (2015-16) & 72 to 79(2018-19) Shri Madan Nimankar and others consumers

Sr.No.	No.of Case	Name of consumer	Date of which ORC charges Deposits & Amount	Date on which application for refund made files	Amount refunded by way of Adjument & bill Date in which Adjusted
	1	2	3	4	5
1	59/2018	Madan Nimankar	28.07.2005 Rs. 24,750/-	27.11.2017	Rs. 25,527/- Bill dt. 29.03.2018
2	60/2018	Prakash Madgonda	17.08.2005 Rs. 30,000/-	12.10.2017	Rs. 23,956/- Bill Dt. 24.04.2018 and Rs. 11,719/- Bill Dt. 29.03.2018
3	61/2018	Deppak Nimankar	27.07.2005 Rs. 83,000/-	27.11.2017	Rs. 97,467/- Bill dt. 29.03.2018
4	62/2018	Taifika Gaiban	25.10.2005 Rs. 69,425/-	19.01.2018	Rs. 88,668/- Bill dt. 04.05.2018
5	63/2018	Sou. Meera Nimankar	28.07.2005 Rs. 64,075/-	27.11.2017	Rs. 70,436/- Bill dt. 29.03.2018
6	64/2018	Jasodadevi Choudhari	19.01.2006 Rs. 14,700/-	25.12.2017	Rs. 13,856/- Bill dt. 09.04.2018
7	65/2018	Lalaram Choudhari	19.01.2006 Rs. 16,200/-	25.12.2017	Rs. 15,763/- Bill dt. 09.04.2018
8	66/2018	Narayan Chadichal	15.12.2005 Rs. 7,500/-	18.01.2018	Rs.8,763.82/- Bill dt. 24.04.2018
9	67/2018	Faiz Gaiban	07.07.2005 Rs. 99,200/-	19.01.2018	Rs. 70,605/- Bill dt. 04.05.2018
10	68/2018	Johur Sikandar Gaiban	25.05.2018Rs. 76,925/-	19.01.2018	Rs. 68,423/- Bill dt. 04.05.2018
11	69/2018	Khatub Esamail Gaiban	25.10.2005 Rs. 69,425	19.01.2018	Rs. 88,625/- Bill dt. 04.05.2018
12	70/2018	Ajit Prakash Ekar	06.10.2005 Rs. 28,794/-	16.12.2017	Rs. 33,818/- Bill dt. 09.05.2018
13	72/2018	Sou. Neha Ajit Ekar	06.10.2005 Rs. 30,890/-	16.12.2017	Rs. 4,883/- Bill dt. 09.05.2018
14	73/2018	Premising Chavan	06.01.2006 Rs. 21,525/-	19.01.2018	Rs.26,951/- Bill dt. 04.05.2018
15	74/2018	Mahesh Prakash Ekar	06.10.2005 Rs. 32,910/-	14.12.2017	Rs. 11,425/- Bill dt. 09.05.2018
16	75/2018	Sou. Sunita Mahadeo Kore	09.03.2005 Rs. 9,250/-	10.01.2017	Rs. 9,200/- Bill dt. 24.04.2018
17	76/2018	Dilip Dinkar Ghatte	05.07.2005 Rs. 54,000/-	12.10.2017	Rs. 63,720/- Bill dt. 09.05.2018
18	77/2018	Ashik Dinkar Gahtte	05.07.2005 Rs. 31,050/-	12.10.2017	Rs. 37,301/- Bill dt. 09.05.2018
19	78/2018	Sou. Bharati Dilip Ghatte	05.07.2005 Rs. 69,000/-	12.10.2017	Rs. 82,503/- Bill dt. 09.05.2018
20	79/2018	Digvijay Dilip Ghatte	05.07.2005 Rs. 47,500/-	12.10.2017	Rs. 37,300/- Bill dt. 09.05.2018

